

मोड्यूल 14 : जन्मतेही साँस लेने में कठिनाई : निदान तथा बैग और मास्क से उपचार

सत्र 1 : प्रशिक्षण कार्यशाला 5 (दोहराई, मूल्यांकन तथा मोड्यूल 9) के बाद कार्यक्षेत्र के अनुभवों की समीक्षा

दिवस : 1

समयावधि : 1 घं. 15 मि.

प्रयोजन

आशा को पिछले प्रशिक्षण के पश्चात् क्षेत्र में हुए अनुभवों के बारे में चर्चा करने का अवसर देना, उनके प्रश्नों तथा शंकाओं का समाधान करना तथा जिन विषयों में अधिक अभ्यास अथवा स्पष्टीकरण चाहिए, उनकी पहचान करना।

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशा में निम्न योग्यताएँ आयेंगी:

1. पिछले माह क्षेत्र में किये गये कार्य से प्राप्त हुये अनुभवों, उनसे ली गयी शिक्षा तथा कठिनाइयों के बारे में विचारों का आदान-प्रदान।

सामग्री

- आशाओं के गाँव में 'काम तथा प्रशिक्षण में प्रगती का रिकार्ड'

तैयारी

- कार्यशाला के पूर्व प्रशिक्षक एवं सुपरवाइजर एक बैठक करें। बैठक के दौरान प्रत्येक आशा का सुपरवाइजर द्वारा गाँव में भरा गया काम तथा प्रशिक्षण में प्रगति का रिकार्ड तथा उसकी समस्याओं पर चर्चा हो और यह सारी बातें सुपरवाइजर प्रशिक्षक को अवगत कराएँ। इस प्रकार तैयारी कर लेने से अगली प्रशिक्षण कार्यशाला आरंभ होने से पहले प्रशिक्षक एवं सुपरवाइजर को आशा की प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों का पूरा पूरा ज्ञान होगा।

प्रशिक्षण विधि

प्रस्तुति एवं चर्चा (40 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव:

1. प्रशिक्षार्थियों को गोले में बिठाये।
2. प्रत्येक आशा से कहें कि पिछले माह, क्षेत्र में किये कार्य का सारांश प्रस्तुत करें। बतायें कि उसमें निम्न बातें अवश्य प्रस्तुत करें।(इन्हे बोर्ड पर लिख दें)
 - शिशु को जन्मतेही गर्म रखने का अनुभव
 - क्या उसने कोई कम वजन का या समय पूर्व जन्मा शिशु देखा? उसकी देखभाल कैसे की?
 - क्या उसने कोई अधिक खतरेवाला शिशु देखा?
 - स्तनपान संबंधी समस्या या अधिक खतरेवाले शिशु के लिये उसने स्वास्थ्य शिक्षा चित्रपुस्तिका का प्रयोग किया क्या?

- जन्मतेही दम घुटे या सेप्सिस वाले शिशु के उपचार के बारे में परिवार वालों की क्या प्रतिक्रिया थी?
 - उसके सकारात्मक तथा नकारात्मक अनुभव
 - आशा ने चूषण पंप का प्रयोग करने पर दाई की भावनाएँ।
 - कोई कठिनाई या समस्या
3. प्रशिक्षक समय का ध्यान रखे तथा शंकाओं का समाधान करे।
 4. जिन विषयों पर प्रशिक्षणार्थियों को अधिक अभ्यास/ जानकारी चाहिए, वह नोट कर लें।
 5. आशा के क्षेत्र में रहकर कार्य करने का समग्र मूल्यांकन करने हेतु प्रशिक्षण पश्चात् सुपरवाईजर ने भरा हुआ काम तथा प्रशिक्षण में प्रगति का रिकार्ड देखें। यदि किसी को अधिक सहायता की आवश्यकता हो तो सत्र की समाप्ति पर उनसे अलग से चर्चा करें तथा समय दें।

नाटक खेलना: (30 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव:

1. प्रशिक्षणार्थियों को 4-5 समूहों में बाँटें।
2. प्रत्येक समूह को एक विषय चुनने दें। जैसे – सकारात्मक या कठिन स्थिति जिसके बारे में आशाओं ने चर्चा की हो या जिस के बारे में सभी को चिंता हो (गॉव में स्वीकार, दाई के साथ काम करना, बहुत कम वजन के शिशु की देखभाल, जन्मतेही दम घुटे शिशु की देखभाल, सेप्सिस का उपचार, आदि)। कठिनाईयों का सामना कैसे करें या सकारात्मक अनुभव से उसे गॉव में काम करने में कैसे मदद मिलेगी इस के बारे में सभी समूहों में चर्चा हो। भूमिका नाटक, कहानी या प्रस्तुति के माध्यम से आशाएँ अपने अनुभवों का प्रदर्शन करें। (15 मि.)
3. प्रत्येक समूह अपने अनुभवों को प्रस्तुत करें और उस पर चर्चा हो। (5 से 10 मि.)

सत्र का मूल्यांकन

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
पिछले माह क्षेत्र में किये गये कार्य से प्राप्त हुये अनुभवों, उनसे ली गयी शिक्षा तथा कठिनाइयों के बारे में विचारों का आदान-प्रदान।	चर्चा, भूमिका नाटक या कहानी	आशाओं द्वारा पहचानी गई सामान्य समस्याओं की सूची